

१३

वेद वेद आदिगति



ASHA ARCHIVES 3482

हं नमो बुद्धाय नमः ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥
मनुदरं विवर्जितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥
गिनसा वाच ॥ गलितसकुरि वाच ॥ गलितसकुरि वाच ॥ गलितसकुरि वाच ॥ गलितसकुरि वाच ॥
यद्वयं गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥
संतीहयनना ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥
यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥ यथा गच्छति विविक्खितं ॥

दंडवतु यम् ॥ गंगा यजमान ददितु शारु मखन मरु कंकणा कृत्वा ॥ य
 द्वा दिर्ग अय स वन वा दव शु कसा ॥ यथा नयम् ॥ वान ॥ गे व दय क ॥ नि
 वरा ॥ वरा दू स लि मला ग ॥ नि व स ख व स ले ख मला ग ॥ कम भ न लि
 व न ला य क र ॥ नि व यू ज ॥ हा ट क म ना य ध म सा न नू दाय क र ॥ ना य ध
 मा ॥ य न य ० ० ० मा स न म या दी य ॥ य ० ॥ ज ली ड लि की न या य ० ० ० द म
 स न म या ॥ ज ली ड लि ड द क य ० ० ० द मा स न म या दी ॥ य ० ॥ ० ० ० द की ल

ॐ दं नील ॐ दं डम धा ना नाग्र ॐ दं मा सनं मया दीयतां ॥ यथं ॥ गंगा ध्यानं ॥
 दक्षकला लवदनं चकटी कृति लेख ॥ ७ ॥ ॐ दं कं गमहा भग्य सुखा
 धा ना रुम ॥ १ ॥ ॐ दं दं ॐ दं कृज नीलं जिन वया यम ॥ सर्वो यथ दू ग कं नाः
 वद दधु वजा यग ॥ महाम हिम मा नृता दीर्घा गमज सुलाचना ॥ कृष्ण मा
 त्या म्बज य ना ख मया धी ग कनी ॥ खट्वा गं काल दधु धर्म जाड सुत्र वि
 र्ण ॥ १ ॥ ॐ दं धा वा यमा ना जा थ ग धर्मा द्य यूज यत ॥ ॐ ति ध्यानं ॥ हा ग कं धना

ॐ दं कं ४

य धम धानं व दाय क गान्ता य ध गा धिय गय या दार्ध मया दीयतां ॥ यथाम्
 गस्तान ॥ ७ ॥ ॐ दं कस्तान ॥ रुस्तार्ध ॥ वन्दनं रुस्तार्ध ॥ यथाम्
 द रुस्तार्ध गा वूल ॥ १ ॥ ॐ दं गं धा दि ॥ ७ ॥ ॐ दं कं लि क्षी जया गति ला दकं मया दी
 यतां ॥ १ ॥ ॐ दं धा नं दं धि दं धा व य वि नस्त न वा रुव ॥ ॐ दं दं नील ॐ दं दं डम
 धा ना यार्ध गिला दकं मया दीयतां ॥ १ ॥ ॐ दं न मा हा ट क ध्व ना य ॥ यमा य
 म्ब जा डाय मृ ग व वा न ना य व ॥ वे व सु गा य काला य सर्व ला क दया य व ॥ ७ ॥
 दया य द धा य नीला य य न म धि ना व का द ना य वि ना य वि न यु फा य वे न म ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सावित्राय नमः ॥ सावित्राय नमः ॥ सावित्राय नमः ॥
महा ॥ हाटक ॥ ध्यानाय ॥ अंग गी ॥ ॥ ध्यानाय नमः ॥ ललाटे ॥ ॥ कला ललाटे ॥
॥ ध्यानाय ॥ ॥ विविन ॥ काक वलि विष्णु सनमया दीयतां ॥ या विन ॥ स्नान वलि विष्णु
सनमया ॥ म ॥ ध्यानाय विष्णु सनमया दीयतां ॥ विष्णु याया सनमया दी ॥ काक वलि
वाक् ॥ यमा सिय मद्रुगा ॥ सि वाय सा सि मद्रुगा ॥ सफ ज नमः ॥ यार्थ वलि गृह
गिताय सा ॥ काक वलि विष्णु सनमया दीयतां ॥ स्नान वलि वाक् ॥ वेद सनमः ॥ ललाटे
दी स्नाना सनमः ॥ नाया विष्णु सनमया दीयतां ॥ यार्थ वलि गृह सनमः ॥ स्नान वलि विष्णु स

या दीयतां ॥ ध्यानाय वलि वाक् ॥ ॥ काक स्नान वलि सनमया दीयतां ॥ यार्थ वलि गृह
ध्यानाय वलि विष्णु सनमया दीयतां ॥ यार्थ वलि गृह सनमया दीयतां ॥
विष्णु सनमया दीयतां ॥ काक वलि गिला दक वाक् ॥ वेद सनमः ॥ ललाटे
सनमया दीयतां ॥ वाय साय विष्णु सनमया दीयतां ॥ काक वलि गिला
दक सनमया दीयतां ॥ स्नान वलि गिला दक वाक् ॥ यार्थ वलि गृह सनमया दीयतां
गिता ॥ नवक ध्यानाय विष्णु सनमया दीयतां ॥ स्नान वलि गिला दक सनमया दीय
तां ॥ म ॥ यार्थ वलि गृह सनमया दीयतां ॥ यार्थ वलि गृह सनमया दीयतां

मयादीयगी॥ द्विर्धं हलकं॥ द्वितीयदिवसया॥ द्वितीयं ध्यापनासिकापूजक
नवायद्वितीययिर्धं तिलादकं मया॥ द्वितीयं नासिकामखकण्डूयूजक
वायद्वितीययिर्धं तिलादकं मया॥ कथं वा दूयूजक नवायवधुर्थयि
र्धं तिलादकं मया॥ यंचमंददययूजक नवाययंचमयिर्धं तिलादकं मया॥
षष्ठमं जानयूजक नवायषष्ठमयिर्धं तिलादकं मया॥ सप्तमं योदमूलयू
जक नवायसप्तमयिर्धं तिलादकं मया॥ अष्टमं त्रययूजक नवायअष्ट
मयिर्धं तिलादकं मया॥ नवमं नखलासयूजक नवायनवमयिर्धं तिलाद

कं मया॥ दशमं भृंगसंयुर्धं दूधहवासा नवायदशमयिर्धं तिलादकं मया
दीयगी॥ द्विर्धं हलकं द्विर्धं॥ पण॥ काकवलिपिण्डयशायवी नवासंमयादी
यगी॥ स्नानवलिपिण्डयशायवी नवासंमया॥ अमृकयगपिण्डयशायवी॥
चवं यशयूयदीयहलयशगीवूलनं वयादिसंकल्य सिद्धिबहुं मयादीयगी॥
काकवलिपिण्डश्रीनवासादकं मयादीयगी॥ स्नानवलिश्रीनवासादकं मया॥
अमृकयगपिण्डश्रीनवासादकं मयादी॥ काकवलिउदकवासादकं मया॥
स्नानवलिउदकवासादकं मया॥ अमृकयगपिण्डउदकवासादकं मयादी॥

शिवायडदक, कीनवासादकैमयादीयगां॥ काठानसवाक, लंखनयनविं
 कायकाव, लंखहायकैम॥ काकस्नानवसवानां यश्चमृगपत्रिदुर्गा। आरु
 र्युसिष्वर्थ, पिण्डदानादक क्रिया॥ यथर्मजायतमूर्द्धिदिनीयं ॥ अणव
 कृषाह तीर्यनासिकाकं चतुर्थवाक्यनूयत॥ यत्तमर्मद्वयं सिद्धयश्चा
 ज्ञानविधीयत॥ सकर्मयादमूलस्यागू, अष्टमंलवमवव॥ नवमंनखलाम
 ध, दशमं वंगतो रुवह॥ ॥ अमूकयत्नाय पिण्ड अष्टमं
 पूर्णकल्याणामयादीयगां॥ काकवलि पिण्डयार्ग अक्षीर्यसया॥ स्नानवलिपि

६
॥

इष्टेन मुक्तिशोकाणि ॥ ॥ यस्तत्त्वः ॥ ॥ प्रेतमुक्तयेत्यादि ॥ ॥ पापः ॥ ॥ सुदसज्यासवा
 ग्रेभ्यान् श्रीदत्तात्रेयः पथे ॥ ब्रह्मसंज्ञांततो दत्तात्रेयपिण्डावसानके ॥ नवनिष्ठा
 को विष्णुर्गुणलोकि केतुसः ॥ महाबाहो नमो नमो देसा देशान्तरं जेतुं ॥ विष्णुस
 ज्ञात्वा एतन् प्रेतवासेण मुहये ॥ यदंशज्यात्रयं तत्प्रेतमुक्तिप्रदं विहि ॥ ॥



॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥
सर्वपापहर्त्रे नमः ॥ सर्वकलहहर्त्रे नमः ॥
सर्वमोक्षदाय नमः ॥ सर्वसुखदाय नमः ॥
सर्वसौख्यदाय नमः ॥ सर्वसन्तोषदाय नमः ॥
सर्वसन्तुष्टिदाय नमः ॥ सर्वसन्निभाय नमः ॥
सर्वसमर्पणाय नमः ॥ सर्वसमर्पणाय नमः ॥
सर्वसमर्पणाय नमः ॥ सर्वसमर्पणाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ सर्वदुःखहर्त्रे नमः ॥
सर्वपापहर्त्रे नमः ॥ सर्वकलहहर्त्रे नमः ॥
सर्वमोक्षदाय नमः ॥ सर्वसुखदाय नमः ॥
सर्वसौख्यदाय नमः ॥ सर्वसन्तोषदाय नमः ॥
सर्वसन्तुष्टिदाय नमः ॥ सर्वसन्निभाय नमः ॥
सर्वसमर्पणाय नमः ॥ सर्वसमर्पणाय नमः ॥
सर्वसमर्पणाय नमः ॥ सर्वसमर्पणाय नमः ॥